Website : www.mamc.edu.in
Email : mamc_agroha@yahoo.co.in
director@mamc.edu.in

EPABX : 01669-281193/94
Off. : 01669-281694
Fax : 01669-281176

MAHARAJA AGRASEN MEDICAL COLLEGE
AGROHA - 125 047 (HISAR)

Ref. No. MAMC..... Dated...../...../201.....

प्रेस नोट

अग्रोहा मेडिकल में दिल का पहला सफल ऑपरेशन

ओपी जिन्दल जी की प्रेरणा से गरीबों-जरूरतमंदों की सेवा में सदैव तत्परः नवीन जिन्दल

एमआरआई,सीटी-स्कैन,पैथलैब, सर्जरी, डायलिसिस, एक्स-रे, अल्ट्रा साउंड के बाद अब कैथलैब भी उपलब्ध

अग्रवाल समाज की ओर से लगाया गया पौधा वटवृक्ष बन गया, कई और सुविधाएं जोड़ने का प्रयास

अग्रोहा (हिसार), 13 सितम्बर 2018 - अग्रवाल समाज के प्रथम मेडिकल कॉलेज महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में दिल का पहला सफल ऑपरेशन हुआ है। एमआरआई, सीटी-स्कैन, पैथलैब, सर्जरी, डायलिसिस, एक्स-रे, अल्ट्रा साउंड समेत तमाम अन्य चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ दिल के मरीजों के उपचार के लिए कैथलैब शुरू होने से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की सेवाओं में एक नया अध्याय जुड़ गया है।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन श्री नवीन जिन्दल ने सफल ऑपरेशन करने वाले डॉ. अंकुर कामरा, उनके साथियों के साथ-साथ निदेशक डॉ. गोपाल सिंगल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नज़ीर अहमद पंडित और अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की संपूर्ण टीम को बधाई देते हुए कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। गरीबों के जख्मों पर मलहम लगाने से ही खुदा मिलता है। रिमोट एवं पिछड़े क्षेत्र में बेहतरीन चिकित्सा सेवा का बाऊजी श्री ओपी जिन्दल जी और हमारे मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का सपना आज अग्रोहा मेडिकल कॉलेज के माध्यम से साकार हुआ है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु के सहयोग एवं आशीर्वाद से स्थापित इस कैथलैब में दिल का सबसे पहला ऑपरेशन भौड़िया

खेड़ा निवासी रिसाल सिंह (48 साल) नामक व्यक्ति का हुआ है। उन्हें कल सीने में दर्द होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर कामरा और उनकी टीम ने एंजियोप्लास्टी कर रिसाल सिंह के राइट कोरोनरी आर्टरी (धमनी) में एक स्टंट लगाया है। सफल ऑपरेशन के बाद मरीज रिसाल सिंह पूर्ण स्वस्थ महसूस कर रहा है।

श्री जिन्दल ने कहा कि डॉ. कामरा और उनकी टीम पर उन्हें गर्व है। इस सफलता से हौसला बढ़ा है। आने वाले समय में और सुविधाएं इस मेडिकल कॉलेज के माध्यम से आम जनता को उपलब्ध कराई जाएंगी। अग्रवाल समाज द्वारा 1989 में लगाया गया यह पौधा अब वटवृक्ष बन गया है। आज प्रतिदिन औसतन तीन हजार मरीज यहां आते हैं, जिनमें से बीपीएल कार्डधारकों का निःशुल्क और एपीएल मरीजों का बेहद सस्ती दरों पर इलाज किया जाता है। यहां स्थापित कैथलैब में भी बीपीएल मरीजों का इलाज निःशुल्क किया जा रहा है और एपीएल मरीजों के लिए एक स्टंट की कीमत मात्र 47 हजार रुपये रखी गई है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 2 लाख रुपये है। श्री नवीन जिन्दल ने मेडिकल कॉलेज की इस सफलता के लिए मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल और स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नज़ीर अहमद पंडित ने कहा कि भविष्य में भी अग्रोहा मेडिकल परिसर में कई नए आयाम जुड़ने वाले हैं, जिनमें विद्यादेवी जिन्दल पैरा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और बेहतर मरीज देखभाल सुविधाएं विशेष रूप से शामिल हैं।

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैथ लैब के लिए पीपीपी मॉडल पर विश्व विख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. प्रताप कुमार के मेडिट्रिना हॉस्पिटल, कोल्लम (केरल) के साथ समझौता हुआ है, जिससे मेडिकल कॉलेज में हृदय रोग संबंधी ओपीडी, आईसीयू, ईको कॉर्डियोग्राफी, टीएमटी, होल्टर, एंजियोग्राफी, स्टेंट, पेश मेकर और हृदय रोग से जुड़ी सभी तरह की जांच व इलाज की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

कैप्शन - महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा के हृदय रोग विभाग में उपचाराधीन भौड़िया खेड़ा गांव निवासी रिसाल सिंह

निदेशक